चित्र कहानी

एक थी । एक दिन वह अपनी 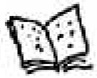 में एक 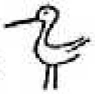 का चित्र बना रही थी। तभी उसके से उसकी गिर पड़ी। लुढ़क कर वह एक के नीचे चली गई।

उसे निकालने के लिए एक लेकर आई, पर वह तक पहुँचा ही नहीं। फिर वह एक लेकर आई लेकिन उससे पेंसिल घसीटते नहीं बना। तभी ने देखा कि उसकी से निकलकर एक आया। वह के नीचे लाने के लिए घुसा। पर सबसे पहले निकली की एक पुरानी ।

फिर निकली एक और अंत में निकली उसकी । बहुत हुई। उसने पूछा - मैं तुम्हारे लिए क्या कर सकती हूँ? इस पर 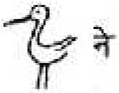 ने कहा – तुम मेरे बना सकती हो। और साथ ही मेरे 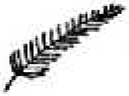 । ने वैसा ही किया। उसके पैर और पर दोनों बनाए और चित्र पूरा हो जाने पर अपने दोस्त को उड़ जाने दिया।

●अपनी कापी में इन सवालों के उत्तर लिखो।

1. लड़की का दोस्त कौन था? 2. उसने लड़की की क्या मदद की? 3. दोस्त उड़कर कहां गया होगा?

4. इसी कहानी को आगे बढ़ाओ, इसी तरह बीच-बीच में चित्र बनाते हुए। आखिरी हिस्सा और एक शुरूआत यहां पर दी हुई है।

ने वैसा ही किया और चित्र पूरा हो जाने पर अपने दोस्त 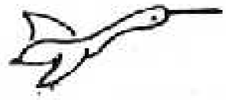 को उड़ जाने दिया।

कुछ दिनों बाद वापिस आया। उसके साथ एक भी था।

● लड़की का दोस्त अगर खरगोश होता तो वह क्या बनाने को कहता?

- अब तुम भी एक नई कहानी बनाने की कोशिश करो। यहां के कुछ चित्रों को अपनी कहानी में डाल सकते हो।

कहानी पूरी करो

एक था। उसके पास एक था। एक दिन एक उसका ले गया। को ढूंढने निकला। सुबह का समय था। अपनी मल रहा था। को एक पर एक दिखी। ने से पूछा, "क्या तुमने को देखा है?"
ने पूछा, "सुबह-सुबह उस दुष्ट को क्यों पूछ रहे हो?" ने कहा, "वह चूहा मेरा मटका लेकर भाग गया है।" चिड़िया ने कहा, "अभी तो उगा ही है, चूहा पर ही होगा।"
के की ओर चला। रास्ते में मिला। ने से पूछा,"क्या तुमने को देखा है, वह मेरा लेकर भाग गया है।" बोला, "वह तो गया है। कह रहा था कि लाऊंगा।"
की ओर चल पड़ा। रास्ते में उसे मिली। अपनी को चाट रही थी। ने से पूछा, "क्या तुमने को देखा है? वह मेरा लेकर भाग गया है" बोली, " तो अब मेरा है। मैंने को खा लिया है।" और में झगड़ा हो गया। और दोनों को अपना कह रहे थे। दोनों झगड़े के हल के लिए के पास गए। ने और की बात ध्यान से सुनी। ------------------------

----

----

1. कहानी पूरी करो (ऊपर दी जगह में)

(क) उल्लू ने क्या फैसला किया होगा? (ख) क्या फैसला हाथी और बिल्ली ने मान लिया होगा?

2. नीचे दी कहानी को आगे बढ़ाकर पूरा करो –

एक --- पर बहुत सारी चिड़ियां रहती थीं। वे दिन भर फल व पत्ती खाती थी। घोंसला बनाने के लिए भी वे --- का इस्तेमाल करती थीं। एक दिन वहां एक नई ------ उड़ती आई।

घस्सु और चटनी

एक लड़का था घासीलाल। लोग प्यार से उसे घस्सु कहते थे।
घस्सु सब काम तो ठीक करता था पर था बड़ा भुलक्कड़।
एक दिन वह अपनी मौसी के घर गया।
तुमने कुछ सुना, मैंने क्या कहा?
अरे, मैं तो भूल गया।
ले बेटा, लहसुन–मिर्च की चटनी और रोटी खा।
वाह! ये तो बड़े मजे की है। अम्मा से कहूँगा ऐसी ही चटनी बनाकर खिलाए।
'चटनी' का नाम भूल न जाऊँ? अच्छा हो, अगर मैं 'चटनी खाऊँ' रटते हुए घर जाऊँ।
चटनी खाऊँ चटनी खाऊँ, चटनी खाऊँ......
अरे घस्सु, कहाँ जा रहे हो?
घर, और कहाँ? अरे, मैं तो भूल ही गया कि मौसी ने क्या खिलाया था।
जाओ, मैं तुमसे बात नहीं करता। तुमने मुझे गड़बड़ा दिया।
मैं बताऊँ? तुम्हारी मौसी ने तुम्हें खीर खिलाई होगी।
खीर खाऊँ, खीर खाऊँ, खीर खाऊँ......
अरे बेटा, खीर से अच्छा तो हलुआ लगता है। तू भूल गया होगा। तेरी मौसी ने तुझे हलुआ खिलाया होगा।
अच्छा, हलुआ खाऊँ, हलुआ खाऊँ...

इस कहानी को अपने शब्दों में यहां लिखो।

(1) तुमने कौन–कौन सी चटनियाँ खाई हैं? उनके नाम लिखो। साथ में यह भी लिखना कि किस चीज से बनी थी। नीचे की तालिका में भरो।

क्र.	चटनी का नाम	क्या–क्या डलता है	रंग	तुम्हें कैसी लगती है

(2) किस मौसम में कौनसी चटनी खाते हो? कौनसी चटनी तुम्हें सबसे अच्छी लगती है?

(3) अपने घर में पता करके किसी एक चटनी के लिए ज़रूरी सामग्री और सामान की सूची बनाओ। इसी चटनी को बनाने का तरीका अपनी कॉपी में लिखो।

(4) किन–किन चीज़ों का अचार डालते हैं, घर से पता करके कापी में लिखो।

(5) घासीलाल की क्या खास बात थी?

लोग उसे किस नाम से पुकारते थे?

अपने कुछ दोस्तों का सही नाम और उनके बारे में कोई खास बात लिखो।

(6) घस्सू की मौसी और घस्सू की मां में क्या रिश्ता होगा?

(7) घर लौटते समय घस्सु को कौन–कौन मिला? क्रम में लिखो।

(8) इन शब्दों का क्या अर्थ होता है? इन्हें उपयोग करके कापी में वाक्य बनाओ।

खुशी से उछल पड़ा, मार–मारकर चटनी बना दूंगी, इस कान से सुना उस कान से निकाल दिया।

(9) अगर तुम घस्सु की जगह होते तो चटनी नाम कैसे याद रखते?

(10) चटनी, हलवा और खीर को कहानी के क्रम में जमाओ।

आओ, कुछ और अभ्यास करें :

नीचे लिखे शब्दों में कौन–कौन से अक्षर और मात्राएँ आए हैं ढूंढकर गोला लगाओ। शब्दों से वाक्य बनाओ।

नर	नारी
सेवक	सेविका
बेटा	बिटिया
मोर	मोरनी
जेठ	जेठानी
नाग	नागिन
दुल्हा	दुल्हिन
पिता	माता

न		ा	र		ी
स	े	ि	व	क	ा
म	ा	े	र	न	ी
द	ु	ल	ि	ह	न
म		ा	त		ा
ज	े	ठ	ा	न	ी
न	ा	ि		ग	न
न					र
ि	ब	ि	ट	य	ा
ब		े	ट		ा
द	ु		ल	ह	ा
ि		प	त		ा
म		ा		े	र
ज			े		ठ
न			ा		ग
स		े		व	क

अनुलेखन–1

समूह में बैठकर, वाक्यों को पढ़कर अपनी कॉपी में लिखो।

जिस तार से मकड़ी जाला बनाती है, उसे वह खुद अपने शरीर से निकालती है। मकड़ी के जाले में दो तरह के तार होते हैं। कुछ ऐसे जो बहुत ही चिपचिपे होते हैं, और कुछ जो चिपचिपे नहीं होते। मकड़ी पहले उन तारों से, जो कि चिपचिपे नहीं होते, एक ढांचा बना लेती है। इन तारों पर पैर रखकर वह बाकी जाला बुनती है। यह बाकी जाला बहुत ही चिपचिपे तारों का बना होता है।

3.(क) अब आपस में अभ्यास पुस्तिका बदलकर एक दूसरे का लेखन जाँचो। गल्तियों पर गोला बनाओ और अपनी गल्तियों को सुधारकर लिखो।

(ख) आपस में चर्चा करें– मकड़ी के बारे में तुम और क्या–क्या जानते हो ?

(ग) अब चर्चा के आधार पर मकड़ी के बारे में अपनी कॉपी में पाँच वाक्य लिखो।